ईशा सरदेसाई को धन्यवाद

और

गरिमा बोरवणकर का स्वागत

सिद्धयोग टीचिंग्स काउन्सिल की ओर से पत्र

आत्मीय पाठकगण,

खुशियों से भरे उत्सवों की शुभकामनाएँ!

सिद्धयोग पथ पर, हमने श्रीगुरुमाई से सीखा है कि दूसरों के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक मुख्य तरीक़ा है, उनकी अभिस्वीकृति करना। दूसरों की अभिस्वीकृति करना और उनकी सराहना करना इतना महत्त्वपूर्ण है कि ऐसा करना हमारे दिन-प्रतिदिन के परस्पर व्यवहार का एक स्वाभाविक हिस्सा बन गया है। और यह 'विशेषकर' तब महत्त्वपूर्ण होता है जब किसी ने ऐसा आसाधारण योगदान दिया हो जिसके दूरगामी प्रभाव हुए हों।

वर्ष २०१८ के लिए श्रीगुरुमाई का सन्देश है, 'सत्संग।' सन्देश के साथ कार्य करते समय, एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन की एक युवा स्टाफ़ सदस्य के योगदान से, सिद्धयोग विद्यार्थी और नए साधक, दोनों ही समान रूप से लाभान्वित हुए हैं। और आप उनसे बहुत अच्छे से परिचित भी हो चुके हैं। उनका नाम है, ईशा सरदेसाई। ईशा, उन सभी बारह पत्रों की लेखिका रही हैं जिनके माध्यम से हमें इस वर्ष सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर हर माह का परिचय प्राप्त हुआ है। जब हम इन मासिक पत्रों के बारे में सोचते हैं तो फ़ौरन ही यह अंग्रेज़ी कहावत हमारे ध्यान में आती है कि, "Good things come

in small packages" यानी "अच्छी चीज़ें छोटे पैकेज में आती हैं।" हर एक पत्र बहुत-से लोगों की सिद्धयोग साधना के लिए अमूल्य मार्गदर्शक रहा है।

हर माह ईशा के पत्र के नीचे पोस्ट हुए आपके अनुभवों को पढ़कर हमें बहुत खुशी हुई है। जब आप पत्र से प्राप्त अपनी समझ के बारे में बताते हैं और यह बताते हैं कि किस तरह उसने आपके आत्मनिरीक्षण को स्फुरित किया है, तो आपकी सराहना सुस्पष्ट होती है। हम यह देखकर बहुत प्रभावित हुए हैं कि किस प्रकार ईशा के शब्दों व ज्ञान की सहायता से आप अपनी साधना में गहरे उतरे हैं और अपने अन्तर-प्रज्ञान तक पहुँच पाए हैं।

हम यह भी कहना चाहते हैं कि हमें यह बात भी कितनी छू गई है कि हर माह, आपमें से कई लोगों ने ईशा के पत्रों के बारे में हमसे बात की है और लिखकर यह बताया है कि श्रीगुरुमाई के सन्देश, 'सत्संग' का अध्ययन करने और उसे लागू करने के लिए, उनके पत्रों ने किस प्रकार प्रेरणा, अन्तरदृष्टियाँ और व्यावहारिक तरीक़े प्रदान किए हैं। आप सभी, जो इन पत्रों से लाभान्वित हुए हैं, हम आप सभी के लिए बहुत खुश हैं।

ईशा के पत्रों का एक और उत्कृष्ट परिणाम यह हुआ है कि ये सिद्धयोग ध्यान केन्द्रों, संकीर्तन एवं ध्यान केन्द्रों और साधना सर्कल्स् में, सार्वभौमिक सिद्धयोग संघम् को सुन्दर तरीक़े से एक-साथ लाए हैं। हमने कई सिद्धयोगियों से सुना है — श्री मुक्तानन्द आश्रम में आने वाले विज़िटिंग सेवाकर्ताओं से और जिनसे हमने अपनी विश्वयात्राओं के दौरान बात की उनसे — कि सत्संग में भाग लेने का एक मुख्य आकर्षण रहा है, सत्संग में ईशा के पत्रों का पठन किया जाना और फिर साथ मिलकर उनका अध्ययन करना।

ईशा ने वर्ष २०१८ के मासिक-पत्र की लेखिका के रूप में जो सेवा श्रीगुरुमाई को अर्पित की है, उसके लिए हम उन्हें हृदय से धन्यवाद देना चाहते हैं। एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन में सबकी ओर से तथा सार्वभौमिक सिद्धयोग संघम् में आपमें से हर एक की ओर से हम इस सुअवसर पर कहना चाहते हैं, **"धन्यवाद, ईशा!"**

इस प्रकाशवान दहलीज़ पर, जब वर्ष २०१८ एक उल्लासपूर्ण समापन की ओर है और वर्ष २०१९ हमारे समक्ष उन्मीलित होने वाला है, हमें आपको उन दो वायदों के बारे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है जो वर्ष २०१९, अपने में समाए हुए है।

- ईशा को सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर एक नया लेखन-कार्य प्राप्त होगा।

- और, गरिमा बोरवणकर ने, वर्ष २०१९ में मासिक-पत्र लिखने का यह दायित्व कृतज्ञतापूर्वक ईशा से ग्रहण किया है।

गरिमा पिछले उनपचास वर्षों से सिद्धयोग पथ का अनुसरण कर रही हैं और वे एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन के स्टाफ़ की सदस्य भी हैं। वे उत्तरी कैलिफ़ोर्निया में अपने पति, नितिन और उनके जर्मन शेपर्ड नस्ल के कुत्ते, लिओ के साथ रहती हैं [जो उनके अनुसार, 'बहुत' समझदार है!]।

आइए, हम सभी साथ मिलकर ईशा को एक बार पुनः हृदय से धन्यवाद देते हैं और साथ ही मासिक-पत्र की लेखिका के रूप में नए सेवा-कार्य के लिए गरिमा का स्वागत करते हैं।

आदर सहित,

स्वामी अपूर्वानन्द
स्वामी अखण्डानन्द
स्वामी शान्तानन्द
सिद्धयोग टीचिंग्स काउन्सिल

©२०१८ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।